Seat No. : _____

NN-115-H

November-2025

B.A., Sem.-III

DSC-C-SOC-232 : Sociology

(Rural Sociology)

Time : 2:00 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

निर्देश : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ एवं इसकी विषय-वस्तु बताइए । **10**

अथवा

1. ग्रामीण समाजशास्त्र के अध्ययन के महत्व को समझाइए । **10**

2. ग्रामीण समाज का अर्थ एवं भारतीय ग्रामीण समाज की विशेषताएँ बताइए । **10**

अथवा

2. भारतीय ग्रामीण आजीविका के तरीके समझाइए । **10**

3. ग्रामीण सामुदायिक विकास योजनाओं की व्याख्या करें । **10**

अथवा

3. ग्रामीण सामाजिक विकास में पंचायती राज के योगदान की व्याख्या कीजिए । **10**

4. प्रवासन का अर्थ और इसके कारण बताइए । **10**

अथवा

4. निरक्षरता का अर्थ एवं इसके कारण बताइए । **10**

5. बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य : (कोई भी **दस**) **10**

(1) भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र की उत्पत्ति स्वतंत्रता से पहले ब्रिटिश काल में हुई थी ।

(2) पारंपरिक ग्राम पंचायतें आज भी पहले की तरह ही शक्तिशाली हैं।

(3) ग्रामीण समाजशास्त्र ग्रामीण समस्याओं का अध्ययन नहीं करता है ।

(4) ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था मुख्यत: उद्योग पर निर्भर है ।

(5) भारतीय ग्रामीण समुदायों में सामाजिक स्तरीकरण जाति और वर्ग पर आधारित है ।

(6) ग्रामीण व्यवसाय मुख्यत: मानव श्रम द्वारा संचालित होते हैं ।

(7) सामुदायिक विकास कार्यक्रम 1952 में क्रियान्वित किया गया ।

(8) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MNREGA) 2007 में प्रभाव में आया ।

(9) पंचायती राज के कारण ग्रामीण समाज में नये नेतृत्व का उदय हुआ है ।

(10) भूमि से संबंधित अवांछनीय परिस्थितियों को गरीबी की समस्या कहा जाता है ।

(11) आर्थिक विकास के लिए मानव संसाधन एक महत्वपूर्ण कारक है ।

(12) बीस सूत्री कार्यक्रम को अब टीपीपी-2006 के नाम से जाना जाता है ।